सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 05 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 6 फरवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।

-चाणक्य

अश्विन-बुमराह ने निकाली अंग्रेजों... 7 | यूपी बजट: चुनावों पर नजर लोस... 3 | बजट में गरीबों की अनदेखी की... 2

ईडी की रेड पर गरमाई सियासत

दिल्ली में आप से जुड़े 10 से ज्यादा ठिकानों पर छापा

» भड़की आप, सीएम के पीएस और आप सांसद के यहां छापेमारी

» भाजपा ने कहा- कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा

» विपक्ष का हल्ला बोल- धमकी दे रही मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में ईडी छापेमारी के बाद आप व भाजपा में वार-पलटवार शुरू हो गया। जहां बीजेपी ने कहा है कि दोषी कोई भी होगा बख्शा नहीं जाएगा वही आप ने कहा कि छापे पर छापे मारे जा रहे है पर एक पैसा नहीं निकल रहा है। दरअसल, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के यहां छापा मारा है। ईडी की टीम ने 10 से ज्यादा ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। यह छापेमारी दिल्ली जल बोर्ड में भ्रष्टाचार मामले में हुई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार के यहां छापेमारी हुई है। शलभ कुमार जो जल बोर्ड के पूर्व मेंबर रहे हैं। उनके यहां भी छापा मारा है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम आदमी पार्टी के सांसद एनडी गुप्ता के आवास पर ईडी की छापेमारी चल रही है। डीजेबी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जगदीश अरोड़ा और अनिल अग्रवाल की रिमांड बढ़ी। दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार डीजेबी के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता जगदीश अरोड़ा और ठेकेदार अनिल अग्रवाल की ईडी हिरासत अगले पांच दिनों के लिए बढ़ा दी गई। मामले की सुनवाई दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में हुई। जगदीश अरोड़ा और अनिल अग्रवाल को दिल्ली जल बोर्ड को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ्लो मीटर की आपूर्ति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया। उन्हें पांच दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद पेश किया गया था। ईडी ने दोनों की रिमांड बढ़ाने की मांग की थी, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने दोनों की पांच दिनों के लिए रिमांड बढ़ा दी।

ईडी बीजेपी की एक्सटेंडेड ब्रांच : राउत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, कि ईडी बीजेपी की एक्सटेंडेड ब्रांच है, आरएसएस के बाद बीजेपी अगर किसी को मान है तो वह ईडी को मानती है। महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम का खेल ईडी ने किया है. अजित पवार के बारे में तो खुद प्रधानमंत्री ने कहा था लेकिन ईडी वहां पहुंची?।

जल बोर्ड में भाजपा ने लगाया था घोटाले का आरोप

बीते साल 18 नवंबर 2023 को केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली जल बोर्ड में 3,237 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा किया था। उन्होंने जल बोर्ड के बैंक खातों की स्टेटमेंट व वित्तीय रिपोर्ट का जिक्र भी किया था और कहा था कि वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच बोर्ड के वित्तीय खर्च के बारे में कई जानकारियां छिपाई गईं हैं। वर्ष 2017-18 के बाद से बोर्ड के खातों की डिटेल डिक्लरेशन भी सही ढंग से नहीं की गई। बोर्ड में इसी तरह के कई वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं हैं। उन्होंने बताया था कि बोर्ड ने अपने 450 से अधिक बैंक खातों में से लगभग 110 को बैलेंस शीट में दिखाया ही नहीं है। इनमें 77 खातों में लगभग 100 करोड़ से अधिक की राशि पड़ी हुई है। कई खातों के आगे शून्य दिखाया गया है जबकि उनमें करोड़ों रुपये पड़े हैं। बोर्ड के हिसाब-किताब में लगभग 300 करो? रुपये के लेन-देन की जानकारी ही नहीं है। बोर्ड की 2018 की वित्तीय रिपोर्ट में 1,167 करो? रुपये का हिसाब-किताब ही नहीं है।

अभी तक एक रुपया नहीं मिला : आतिशी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को लेकर आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि हमें चुप कराने के लिए छापेमारी हो रही है। अभी तक छापेमारी में एक रुपया भी नहीं मिला है। आतिशी ने कहा कि आप नेताओं और आप से जुड़े लोगों के खिलाफ ईडी की छापेमारी चल रही है। आप कोषाध्यक्ष और सांसद एनडी गुप्ता, अरविंद केजरीवाल के पीए और अन्य के आवास पर छापेमारी चल रही है। भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से हमारी आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। आतिशी ने आगे कहा कि बीते दो साल से शराब घोटाला मामले के नाम पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को धमकी दी जा रही है। कुछ लोगों के घर छापा मारा। कुछ को समन जारी किए जा रहे हैं। कुछ को गिरफ्तार किया गया है। बीते दो साल में हजारों छापे मारे गए हैं। लेकिन अभी तक ईडी की टीम को एक रुपया तक बरामद नहीं हुआ है। अगले दो साल भी ईडी को कुछ नहीं मिलने वाला है। कोर्ट ईडी के कह चुका है कि सबूत पेश करें।

उत्तराखंड में यूसीसी बिल पेश, निशाने पर आई बीजेपी सरकार

» कांग्रेस बोली- सरकार की मंशा पर संदेह

» सपा ने भी धामी सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में सीएम धामी ने यूसीसी बिल पेश कर दिया है। उसके बाद से देश में बीजेपी सरकार पर हमला शुरू हो गया। कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने कहा कि भाजपा देश को बांटना चाहती है। समान नागरिक संहिता विधेयक को कानून बनाने के लिए बुलाई गई विशेष विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तराखंड विधानसभा में पेश किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जय श्री राम और भारत माता की जय के नारों के बीच विधेयक पेश किया।

यदि सदन द्वारा पारित किया जाता है, तो भाजपा शासित राज्य समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को अपनाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। सदन की कार्यवाही आज दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल ने यूसीसी विधेयक को मंजूरी दे दी। आज पेश किए गए यूसीसी विधेयक की कुछ प्रमुख विशेषताओं में बेटे और बेटी के लिए समान संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करना, वैध और नाजायज बच्चों के बीच अंतर को खत्म करना, गोद लिए गए और जैविक रूप से जन्मे बच्चों का समावेश और मृत्यु के बाद समान संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करना है। अन्य प्रमुख संभावित सिफ़ारिशों भी शामिल हैं।

विपक्ष ने सदन में किया हंगामा

सदन में विपक्षी विधायकों के विरोध के बीच यह विवादित बिल सदन में पेश किया गया। विपक्षी विधायकों ने विधानसभा में नियम पुस्तिकाओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। एलओपी यशपाल आर्य ने कहा कि हम इसके (समान नागरिक संहिता) खिलाफ नहीं हैं। सदन कार्य संचालन के नियमों से चलता है लेकिन बीजेपी लगातार इसकी अनदेखी कर रही है और संख्या बल के आधार पर विधायकों की आवाज को दबाना चाहती है। प्रश्नकाल के दौरान सदन में अपनी बात रखना विधायकों का अधिकार है, चाहे उनके पास नियम 58 के तहत कोई प्रस्ताव हो या अन्य नियमों के तहत, उन्हें विधानसभा में राज्य के विभिन्न मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।

दूसरे समुदाय की परंपराओं में हस्तक्षेप अनुचित : हरीश रावत

राज्य विधानसभा में यूसीसी बिल पेश होने पर उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि अगर राज्य सरकार समान नागरिक संहिता के नाम पर शासक वर्ग के लिए दूसरे समुदाय की परंपराओं में हस्तक्षेप करने के लिए कानून लाती है, तो क्या वैमनस्य नहीं होगा?

कुरान के खिलाफ है समान नागरिक संहिता : हसन

समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने कहा कि समान नागरिक संहिता मुसलमानों की पवित्र किताब कुरान के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने दावा किया कि उनका समुदाय इसका पालन नहीं करेगा। अगर यह कुरान में मुसलमानों को दी गई हिदायत (निर्देश) के खिलाफ है तो हम इसका (यूसीसी विधेयक) पालन नहीं करेंगे। अगर यह हिदायत के मुताबिक है तो हमें कोई दिक्कत नहीं है।

बजट में गरीबों की अनदेखी की गई : अखिलेश

» पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यकों को किया निराश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सराकर का बजट आ गया है। इसी के साथ विभिन्न नेताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बजट पर सवालिया निशान लगा दिया है। उन्होंने कहा बजट में गरीबों की अनदेखी की गई है। सपा मुखिया ने कहा कि पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यकों अर्थात पीडीए के लिए बजट में कुछ नहीं है। इसके अलावा अखिलेश ने सरकार से पूछा कि झांसी और गोरखपुर में मेट्रो कब बनेगी? अब उन्हें सिर्फ 3 और बजट पेश करने हैं. 3 बजट में तो नहीं बन पाएगी, न गोरखपुर न झांसी की. मैं सोच रहा हूं कि अब इसे पूछना बंद कर दूं। बजट में मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना के एलान पर अखिलेश यादव ने कहा कि इसके बारे में कुछ खास जानकारी नहीं दी गई है।

इसको मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना क्यों कहते हैं, इसका नाम रखें सांड खेत सुरक्षा योजना, ताकि लोगों को समझ आए कि क्या एलान हो रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या इसमें नई भर्ती होगी? कौन बचाएगा खेतों को? उन्होंने कहा कि गोरखपुर और बनारस के लिए तो योजनाएं ले लीं लेकिन पूरे यूपी को क्या मिला? आखिरी यूपी को और सैनिक स्कूल क्यों नहीं मिले? मैनपुरी के करहल में सपा के प्रमुख राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने सरकार के बजट को निराशा जनक बताया। लोकसभा चुनाव 2024 देश की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के बजट से किसी को फायदा नहीं पहुंचेगा। भाजपा सिर्फ झूठ बोलती है। बजट में सिवा झूठ के बोलने के कुछ नहीं है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जो लोग एक ट्रिलियन लक्ष्य की बात कहते हैं वह लोग उसका मतलब भी नहीं जानते हैं। उन्होंने सरकार की हर घर जल योजना पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री झूठ बोलते हैं कि 80 प्रतिशत घरों में पानी पहुंच गया है। इस योजना में हजारों करोड़ रुपया चला गया लेकिन योजना से किसी को लाभ नही पहुंचा।

बजट से किसी को फायदा नहीं पहुंचेगा : रामगोपाल

बजट का 10 प्रतिशत अंश भी नई योजनाओं के लिए नहीं : मोना

कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि बजट का आकार बड़ा होना बजट की सफलता की निशानी नहीं है, क्योंकि पिछले बजट को इसी तरह बड़ा बनाया गया था पर 40 प्रतिशत विभागों ने अपना आवंटित बजट खर्च नहीं किया। मोना ने पूछा कि जब पिछले बजट का आवंटन विभाग खर्च नहीं कर पाए तो बजट की राशि खर्च किए बिना प्रदेश का विकास कैसे हो सकता है। बजट को सबसे बड़ा बताकर कीर्तिमान रचने की बात की जा रही है, लेकिन हकीकत यह है कि बजट में अधिकांश आवंटन सिर्फ पुरानी योजनाओं के लिए ही है। बजट का 10 प्रतिशत अंश भी नई योजनाओं के लिए नहीं है। मोना ने कहा कि इस बजट में अधिकांश योजनाएं केंद्र सरकार की ही हैं जिन्हें उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार अपना बनाकर प्रस्तुत कर रही है। मोना ने कहा कि जब बजट में नई योजनाएं ही नहीं हैं तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश के विकास, युवाओं को नौकरी देने, आम आदमी की आय बढ़ाने, किसानों की समृद्धि और इस प्रदेश की महिलाओं-दलितों और पिछड़ों की सुरक्षा के लिए कितना गंभीर है।

विकास के पुराने वादों का मूल्यांकन हो : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गये बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट पार्टी के चुनावी हित का ज्यादा व व्यापक जनहित एवं जनकल्याण का कम लगता है। सरकार की विभिन्न घोषणाएं, वादे और दावे अपनी-अपनी जगह हैं लेकिन क्या विकास संबंधी सरकार के पिछले सारे वादे पूरे हो गए हैं, इसका भी मूल्यांकन जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार के सर्वसमाज के हित, विकास व कानून-व्यवस्था के संबंध में जितने भी दावे और वादे बजट में करती है, उसका सही से अनुपालन जरूरी है। तभी राज्य के लोगों की अपार गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ापन आदि दूर हो पाएगा। जिसका फिर सीधा प्रभाव देश के विकास व यहां के लोगों की उन्नति पर पड़ेगा।

भ्रमित करने वाला छलावे का बजट : अजय राय

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को कांग्रेस ने निराशाजनक बताया है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने योगी सरकार तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शब्दों और जुमलों की बाजीगरी करता हुआ यह बजट प्रदेश के युवाओं को भ्रमित, पिछड़ों और दलितों से साथ छलावा, महिलाओं को निराश एवं किसानों को हताश करने वाला है। वहीं कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि नए बजट में अधिकांश आवंटन सिर्फ पुरानी योजनाओं के लिए है। कहा कि किसानों की हितैषी बनती इस सरकार का सच यह है कि उत्तर प्रदेश की कृषक गृह (एग्रीकल्चर हाउसहोल्ड) की औसत मासिक आय 6,668 रुपये है जो राष्ट्रीय औसत आय 8,931 रुपये से 35 प्रतिशत कम है। राय ने कहा कि कुल मिलाकर यह बजट आर्थिक मानकों पर पूरी तरह से विफल है। यह बजट सिर्फ और सिर्फ निराशा के अलावा कुछ नहीं है।

370 को निरस्त करने वाली सरकार सीएए भी लागू कर सकती है: अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सीएए जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली जो सरकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा सकती है वह सीएए भी लागू कर सकती है। वह यहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करने आए थे।

अधिकारी ने कहा कि सीएए गृह मंत्री के साथ उनकी बैठक के एजेंडे का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा, सीएए लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था। इसका कार्यान्वयन होना बाकी है जो जल्द ही होगा। मोदी है तो ये मुमकिन है। मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए सीएए के तहत 1 दिसंबर 2014 तक बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करने की बात कही गई है।

पेटीएम पर ईडी क्यों नहीं करती कार्रवाई : श्रीनेत

» बोलीं- मोदी भक्त हैं पेटीएम संस्थापक, कुछ भी कर सकते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने पेटीएम मामले को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने विज्ञापन दिखाते हुए कहा कि इसमें नोटबंदी को मजबूत निर्णय बताते हुए मोदी की तारीफ की गई थी। यही पेटीएम, मोदी पर बनी फिल्म की टिकट पर 200 तक का कैशबैक दे रहा था, जिसका प्रचार मोदी चुनावी रैली में भी कर रहे थे। कांग्रेस ने फिनटेक फर्म पेटीएम पर भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिबंधों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय पर सवाल उठाया। इसके साथ ही मोदी सरकार पर निशाना साधा।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र का रुख क्या है। पिछले सात वर्षों से पेटीएम पेमेंट्स बैंक को एक लंबी रस्सी क्यों मिली हुई है? पेटीएम पेमेंट्स बैंक के संस्थापक हैं मोदी के भक्त, उनके साथ सेल्फी लेते हैं और पीएम के पक्ष में विज्ञापन प्रकाशित करते हैं। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के दो दिन बाद 10 नवंबर 2016 को देश के बड़े अखबारों में मोदी की तस्वीर के साथ फुल कवर विज्ञापन देता है।

कांग्रेस ने दिल्ली इकाई से लोस के लिए उम्मीदवारों के लिए सुझाव मांगे

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की और आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के बारे में उनके सुझाव मांगे। इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में कांग्रेस की चयन प्रक्रिया को तेज करने के लिए डीपीसीसी कार्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें कहा गया कि बैठक में शामिल होने वालों में स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष और सांसद रजनी पाटिल, सदस्य सरदार परगट सिंह और कृष्णा अल्लावरु शामिल थे। डीपीसीसी अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस न केवल बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत कर रही है, बल्कि कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस की नई अध्यक्ष की नियुक्ति इसी सिलसिले में की गई। लवली ने कहा कि कांग्रेस की दिल्ली इकाई गठबंधन की प्रतिबद्धताओं का पूरा सम्मान करेगी, लेकिन पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया जारी रखेगी।

लड़े हैं, लड़ेंगे, हम जीते हैं और हम जीतेंगे : कल्पना

» भाजपा की साजिश का पर्दाफाश करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झामुमो नीत गठबंधन के झारखंड विधानसभा में बहुमत साबित करते ही पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। कल्पना सोरेन (48) ने कहा, मैंने लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ती रहूंगी। हम जीते हैं, और हम जीतेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कह, जब तक झारखंड के योद्धा (हेमंत सोरेन) केंद्र और भाजपा की साजिश को हरा कर हमारे साथ नहीं आ जाते, तब तक यह एकाउंट मैं संभालूंगी।

हमारे वीर पूर्वजों ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अब समय फिर आ गया है। आपका प्यार और आशीर्वाद वैसा ही बना रहे। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार ने सोमवार को झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया। राज्य की 81 सदस्यीय विधानसभा में 47 विधायकों ने विश्वास मत प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया, जबकि 29 विधायकों ने इसके खिलाफ मतदान किया। निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

यूपी बजट: चुनावों पर नजर लोस सीटों की चाहत

भाजपा ने कहा विकास की बहेगी रफ्तार

सपा-बसपा व कांग्रेस बोली- निराशाजनक है बजट

» विपक्ष बोला- पहले का पता नहीं, नये का क्या कहें

» प्रदेश के लोकमंगल को लेकर आया बजट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का दूसरा बजट पेश किया। हालांकि वैसे देखा जाए तो ये उनका आठवां बजट है। इसबार की बजट को सीएम ने राम को समर्पित किया है। देखा जाए तो बीजेपी सरकार ने अयोध्या, वाराणसी समेत कई धार्मिक स्थलों के लिए खजाना खोला है। इसबार के 25 में होने वाले महाकुंभ के लिए भी अच्छी खासी धनराशि आवंटित की है। इस बजट को जहां सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों ने विकास को रफ्तार देने वाला बताया तो विपक्ष ने चुनावी बजट बताया। साथ ही यह भी कहा कि पुरानी योजनाएं अभी हवा में है सरकार ने नई योजनाओं की घोषणा कर दी ।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्याथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का तीसरा आम बजट सोमवार को पेश किया गया है. वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा पेश किए गए बजट का आकार 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये है। बजट पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बजट के लिए मैं पूरी टीम के ओर से आपका अभिनंदन करता हूं। प्रदेश में विकास हो रहा है और हर क्षेत्र में काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का यह आठवां बजट है। हर बजट प्रदेश के लोकमंगल को लेकर लाया गया है. पहला बजट किसानों को, दूसरा इंफ्रा और इंडस्ट्री के विकास का, तीसरा मातृ शक्ति के लिया, चौथा युवा ऊर्जा को, पांचवां स्वब्लमन को समर्पित था. आज का बजट प्रभु श्रीराम को समर्पित है. हमने कर चोरी को रोका है. उनके लिए जो भी उपाय हो सकते थे उसके लिए हर विभाग में काम किया गया है. बेरोजगारी की दर को रोकने में सफलता पाई। सीएम योगी ने कहा कि हमने बिना कोई अतिरिक्त कर लगाए यानी आम लोगों पर बिना कोई बोझ दिए वित्तिय व्यवस्था को बड़ा किया है. हम लोगों ने पिछले सात सालों में बेरोजगारी की दर को रोकने में सफलता पाई है. जो सात साल पहले करीब 19 फीसदी था वो अब 2.4 फीसदी रह गया है. हमारी सरकार की योजनाओं ने देश में उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। प्रदेश में गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और नौजवानों के विकास पर फोकस किया है। कृषि हमारा एक प्राथमिक सेक्टर है, इसमें अन्नदाता किसानों के लिए मुख्यमंत्री कृषि सुरक्षा योजना प्रस्तावित की है. प्रदेश के अंदर किसानों के लिए निःशुल्क बिजली की व्यवस्था हमने की है. यह बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को विस्तार देगा. ये बजट उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला होगा. हमने बीते दो वित्तिय वर्षों में बजट की प्रस्तुति को डिजिटल बनाया है।

बजट चुनावी हित का ज्यादा व व्यापक जनहित एवं जनकल्याण का कम : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गये बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट पार्टी के चुनावी हित का ज्यादा व व्यापक जनहित एवं जनकल्याण का कम लगता है। सरकार की विभिन्न घोषणाएं, वादे और दावे अपनी-अपनी जगह हैं लेकिन क्या विकास संबंधी सरकार के पिछले सारे वादे पूरे हो गए हैं, इसका भी मूल्यांकन जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार के सर्वसमाज के हित, विकास व कानून-व्यवस्था के संबंध में जितने भी दावे और वादे बजट में करती है, उसका सही से अनुपालन जरूरी है। तभी राज्य के लोगों की अपार गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ापन आदि दूर हो पाएगा। जिसका फिर सीधा प्रभाव देश के विकास व यहां के लोगों की उन्नति पर पड़ेगा।

विकास के लिए खर्च होंगे लाखों करोड़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। सोमवार को विधानसभा में प्रस्तुत बजट प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। बजट का आकार 7 लाख 36 हजार 437 करोड 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रूपये) है। बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रूपये) की नई योजनाएं भी शामिल की गई हैं। प्रदेश सरकार के बजट में महिला, युवा, किसान और रोजगार सृजन पर सर्वाधिक जोर दिया गया है। योगी सरकार के बजट में 6 लाख 6 हजार 802 करोड़ 40 लाख रुपये (6,06,802.40 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियां तथा 1 लाख 14 हजार 531 करोड़ 42 लाख रुपये (1,14,531.42 करोड़ रुपये) की पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं। इसके अलावा राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 4 लाख 88 हजार 902 करोड़ 84 लाख रुपये (4,88,902.84 करोड़ रुपये) है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 2 लाख 70 हजार 86 करोड रुपये (2,70,086 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 2 लाख 18 हजार 816 करोड़ 84 लाख रुपये (2.18,816.84 करोड़ रुपये) शामिल है। यूपी के इस वित्तीय वर्ष के बजट में 5 लाख 32 हजार 655 करोड़ 33 लाख रुपये (5.32,655.33 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है, जबकि 2 लाख 3 हजार 782 करोड़ 38 लाख रूपये (2.03.782.38 करोड़ रुपये) पूंजी लेखे का व्यय है। वहीं समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के बाद 15 हजार 103 करोड़ 89 लाख रुपये (15,103.89 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है। इसके अलावा लोक लेखा से 5 हजार 500 करोड़ रुपये (5,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियां भी अनुमानित हैं। साथ ही समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 9 हजार 603 करोड 89 लाख रुपये (9.603.89 करोड़ रुपये) ऋणात्मक अनुमानित है। प्रारम्भिक शेष 38 हजार 189 करोड़ 66 लाख रुपये (38,189.66 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुये अन्तिम शेष 28 हजार 585 करोड़ 77 लाख रुपये (28,585.77 करोड़ रुपये) अनुमानित है। बजट में राजस्य बचत 74 हजार 147 करोड़ 07 लाख रुपये (74.147.07 करोड़ रुपये) अनुमानित है। राजकोषीय घाटा 86 हजार 530 करोड़ 51 लाख रुपये (86,530.51 करोड़ रुपये) अनुमानित है, जो वर्ष के लिये अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.46 प्रतिशत है।

माउस चलाना नहीं जानने वाले क्या बजट लाएंगे : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को लेकर बड़ी टिप्पणी की है, उन्होंने कहा कि जिसको माउस चलाना नहीं आता, उससे क्या उम्मीद की जाए। सपा प्रमुख ने दावा किया कि वित्त मंत्री को कंप्यूटर का माउस चलाना नहीं आता। दरअसल, योगी सरकार का 8वां बजट भी पेपरलेस था, ऐसे में वित्त मंत्री, कंप्यूटर के जरिए बजट का भाषण पढ़ रहे थे और अन्य सदस्य अपने टैबलेट्स पर उसे देख पा रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बात मैं नहीं कहूंगा लेकिन वित्त मंत्री क्या पढ़ रहे थे, वित्त मंत्री जो पढ़ रहे थे,वो बड़ा इधर, उधर कर के पढ़ रहे थे। सपा प्रमुख ने कहा कि जिनको माउस चलाना न आता हो, उनसे क्या उम्मीद करेंगे कि बजट कैसा देंगे। उन्होंने कहा कि बात कोई समझ न पाए इसलिए दो लाइनें दोहे की पढ़ दीं। इसके अलावा अखिलेश ने सरकार से पूछा कि झांसी और गोरखपुर में मेट्रो कब बनेगी? अब उन्हें सिर्फ 3 और बजट पेश करने हैं, 3 बजट में तो नहीं बन पाएगी, न गोरखपुर न झांसी की। मैं सोच रहा हूं कि अब इसे पूछना बंद कर दूं। बजट में मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना के एलान पर अखिलेश यादव ने कहा कि इसके बारे में कुछ खास जानकारी नहीं दी गई है। इसको मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना क्यों कहते हैं, इसका नाम रखें सांड खेत सुरक्षा योजना, ताकि लोगों को समझ आए कि क्या एलान हो रहा है, उन्होंने पूछा कि क्या इसमें नई भर्ती होगी? कौन बचाएगा खेतों को? उन्होंने कहा कि गोरखपुर और बनारस के लिए तो योजनाएं ले लीं लेकिन पूरे यूपी को क्या मिला? आखिरी यूपी को और सैनिक स्कूल क्यों नहीं मिले?

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया सत्ता को आइना

"ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव कराने वाले रिटर्निंग ऑफिसर की आलोचना की और कहा कि यह स्पष्ट है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने मतपत्रों को विकृत कर दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने चुनाव अधिकारी की वीडियो देखते हुए कहा कि इस आदमी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। क्या यह रिटर्निंग ऑफिसर का व्यवहार है?

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा द्वारा जीत के बाद हुए आप-कांग्रेस द्वारा बेइमानी के आरोप की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। उसके बाद जो सख्त टिप्पणी शीर्ष अदालत ने की है वह सभी सत्तासीन दल के मुंह पर जोरदार तमाचा है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चंडीगढ़ में लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव कराने वाले रिटर्निंग ऑफिसर की आलोचना की और कहा कि यह स्पष्ट है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने मतपत्रों को विकृत कर दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने चुनाव अधिकारी की वीडियो देखते हुए कहा कि इस आदमी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। क्या यह रिटर्निंग ऑफिसर का व्यवहार है? गौरतलब हो कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव का विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। चीफ जस्टिस डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने पीठासीन अधिकारी का वीडियो देखकर नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि क्या वह इसी तरह से चुनाव आयोजित करते हैं? यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है।

उन्होंने चुनाव अधिकारी की वीडियो देखते हुए कहा कि इस आदमी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। क्या यह रिटर्निंग ऑफिसर का व्यवहार है? सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से बैलेट पेपर, वीडियोग्राफी और अन्य सामग्री सहित चुनाव प्रक्रिया के पूरे रिकॉर्ड को संरक्षित करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि चंडीगढ़ निगम की आगामी बैठक को सुनवाई की अगली तारीख तक के लिए टाल दिया जाए। इससे पहले चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली के आरोप में आप नेताओं का विरोध प्रदर्शन भी हुआ था। पार्टी के नेता नगर निगम ऑफिस के बाहर अनशन करने के लिए पहुंचे थे। आप ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि उनके 8 वोट रद्द कर अपना बीजेपी के मेयर को धक्के से बनाया है। इस धक्के शाही के खिलाफ ही वह प्रदर्शन किया और कहा कि भाजपा प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर किया। बेशक वह इस तरह से यह दमनकारी नीति जारी रखें लेकिन उनका प्रदर्शन बंद नहीं होगा। आप और कांग्रेस ने भाजपा के तानाशाही के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की ओर रुख किया जहां उसे न्याय की उम्मीद है। हालांकि सीजेआई के इस टिप्पणी के बाद सियासी दलों को सोचना चाहिए सत्ता के मद में अपने विपक्षी को कम आंक कर उसको बदनाम करना अनुचित है। सियासी दलों को अब आम सहमति से इन बातों का ध्यान रखना चाहिए कि आइंदा से स्थानीय निकाय चुनावों में धांधली न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गांधी परिवार का वर्चस्व स्वीकारने से परहेज

राजेश रामचंद्रन

लंबे अर्से से नेहरू-गांधी परिवार और सत्ता सुख में भागीदारी पाने के चाहवान कांग्रेसजनों के बीच एक तरह का समझौता रहा है। परिवार अपने खेमेदार और अनुचरों को ताकतवर पद देने की गारंटी देता है, निम्नतम स्तर पर निगम पार्षद से लेकर शीर्षस्थ स्तर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने तक। बदले में, कांग्रेस का प्रथम परिवार उनसे पूर्ण वफादारी और समूचे कांग्रेस राजनीतिक उद्यम पर अपने लिए निर्विवाद मिल्कियत चाहता है। यहां, गांधियों का रुतबा इहलोक के 'शेष एक समान में प्रथम' वाला न होकर, इतिहास में राजा को दिव्य पुरुष मानकर उसके समक्ष करबद्ध रहने जैसा है। यह समझौता प्रथम प्रधानमंत्री के साथ शुरू हुआ था, जोकि स्वाधीनता संग्राम में अपनी भूमिका के कारण वैध वसीयतदार और राष्ट्र-निर्माण मिशन के सबसे कद्दावर झंडाबरदार बनकर उभरे थे। नेहरू के बरक्स उनकी पुत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस से दो बार निष्कासित किया गया, दोनों मर्तबा उन्होंने अपनी पार्टी बना ली थी और लंबे समय तक सफलता पाने वाला बनाया।

अतएव, इंदिरा गांधी के साथ ताकत का सुख चाहने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं का समझौता निजी कारणों से रहा और जल्द ही यह समझौता पारिवारिक विरासत में तब्दील हो गया। राजीव और सोनिया के बाद, अब उनके बच्चे बतौर उत्तराधिकारी यह समझौता जारी रखने की कोशिश में लगे हुए हैं, बिना यह अहसास किए कि समझौते के हालात बदल चुके हैं और शामिल पक्षों के भी। सर्वप्रथम, राहुल गांधी की कांग्रेस अपने बूते पर एक निगम पार्षद तक को जितवाने की गारंटी नहीं दे सकती, लोकसभा में 272 सीटें पाना तो दूर। वास्तव में, हो सकता है राहुल गांधी को चुनावी जीत के लिए पारिवारिक गढ़ कही जाने वाली अमेठी सीट छोड़कर, केरल के मुस्लिम बहुल वायनाड़ लोकसभा क्षेत्र में पुन: शरण लेनी पड़े। हिमाचल प्रदेश में चर्चा चली हुई है कि शायद सूबे के कोटे से राज्यसभा में सोनिया या प्रियंका को भेजा जाए, यह फिर से, रायबरेली सीट परिवार की पकड़ से फिसलने के भय का प्रतीक है। साल 2019 में सोनिया गांधी की जीत का अंतर 2014 के चुनाव से आधा रह गया था।

इसलिए, प्रथम परिवार अपनी अजेयता और पारलौकिक आभामंडल गंवा बैठा है। अब तो यह मात्र एक निराला, मशहूर राजनीतिक परिवार है, जो चार पीढ़ियों तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर सत्ता में बना रहा (यदि मोतीलाल नेहरू को गिन लें तो देश की राजनीति में शीर्षस्थ रही पांचवीं पीढ़ी), परंतु वर्तमान में वह है जो निजी करिश्मे से न तो खुद का रिवायती चुनावी क्षेत्र जीत पाए, न ही राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को जीत दिला सके। समझौते का आधार तत्व बदल चुका है। तथापि, गठबंधन साझीदारों से गांधी इस तरह बर्ताव करना चाहते हैं जैसा कि वे अपने पारिवारिक कृपापात्रों के साथ करते आए हैं। गांधियों के नामज़द मल्लिकार्जुन खड़गे को जो भाए, जरूरी नहीं वह नीतीश कुमार या ममता बनर्जी या एचडी देवेगौड़ा को भी सुहाए। नीतीश कुमार का एक बार फिर गुलाटी मारकर इंडिया नामक गठबंधन छोड़ना और भाजपा-नीत एनडीए में पुन: शामिल होना नवीनतम सबूत है कि राहुल-कांग्रेसजन समझौते सरीखी स्थिति वर्तमान और भावी गठबंधन नेताओं को कबूल नहीं है। उनमें हरेक ने अपनी हैसियत कांग्रेस से राजनीतिक लड़ाई लड़कर पाई है और अपने लिए अलग जगह बनाई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी को लेकर बहुत सी कहानियां हैं कि कैसे उन्होंने निष्ठुरता से ममता को पार्टी से बाहर किया और गांधियों ने सुनवाई तक से इनकार कर दिया। अतएव यह उम्मीद करना अनाड़ीपन होगा कि ममता गांधियों को ताकतवर बनाने वाले या उनके नामजद को प्रधानमंत्री बनाने वाले किसी समझौते का सम्मान करेंगी, बशर्ते नामित स्वयं न हों। यही बात नीतीश

और देवेगौड़ा पर लागू होती है। नीतीश कुमार जयप्रकाश नारायण द्वारा 1970 में चलाई गयी इंदिरा-विरोधी लहर का उत्पाद हैं तो 1997 में देवेगौड़ा के प्रधानमंत्री रहते कांग्रेस ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा और सरकार गिरा दी थी। यहां तक कि सीपीआई(एम) के महासचिव येचुरी के राहुल के साथ निजी तौर पर अच्छे संबंधों के बावजूद, केरल में उनका दल अपने वजूद के लिए कांग्रेस के साथ राजनीतिक संग्राम में आमने-सामने रहेगा।

केरल पुलिस बारम्बार कांग्रेस कार्यकर्ताओं की निर्ममतापूर्वक पिटाई करती है और बदले में वे सीपीआई (एम) पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को सत्ता में बनाए रखने के लिए भाजपा से मदद लेने का आरोप लगाते हैं। यहां मजेदार है कि विजयन के विरुद्ध बहुत सारे भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद केंद्रीय एजेंसियां उनके प्रति काफी नर्म रवैया अपनाए हुए हैं। अतएव वास्तव में ऐसी कोई असल वजह नहीं है कि वर्तमान या भावी गठबंधन के साझीदार गांधी परिवार के प्रति करबद्धता वाला सम्मान रखेंगे।

वैश्विक मंचों में उचित प्रतिनिधित्व भी मिले

सुरेश सेठ

भारत की आबादी दुनिया में सबसे अधिक हो गई। इस कारण हमारी श्रमशक्ति भारत की आर्थिकता का बहुत बड़ा बल है। लेकिन आज भी यह उपेक्षा हमें चौंकाती है कि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद में हमें अपना देय नहीं मिलता। सुरक्षा परिषद में उन्हीं पांच बड़े देशों के पास वीटो पावर है जिनके पास आज से पौन सदी पहले थी।

वर्ष 2014 में जो भारत दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों में दसवें पायदान पर था। आज वह न केवल पांचवें पर पहुंचा बल्कि ताजा आंकड़ों के अनुसार हमारी अर्थव्यवस्था 4 लाख अरब डॉलर की हो गई है। शीघ्र ही इसे 5 लाख अरब के लक्ष्य तक पहुंचा दिया जाएगा। 2047 अर्थात् जब हम अपनी स्वाधीनता का शतक मनाएंगे, तो विश्वास है हमारा देश विकसित भारत कहलाएगा। भारत की आबादी दुनिया में सबसे अधिक हो गई। इस कारण हमारी श्रमशक्ति भारत की आर्थिकता का बहुत बड़ा बल है। लेकिन आज भी यह उपेक्षा हमें चौंकाती है कि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद में हमें अपना देय नहीं मिलता। सुरक्षा परिषद में उन्हीं पांच बड़े देशों के पास वीटो पावर है जिनके पास आज से पौन सदी पहले थी। इसके अतिरिक्त न केवल भारत बल्कि तीसरी दुनिया के देशों और अफ्रीकी देशों को भी इस विश्व मंच पर स्थान मिलना चाहिए, यह बात भारत ही नहीं, पश्चिमी देशों में से फ्रांस और ब्रिटेन भी दोहरा रहे हैं।

अभी ब्रिटिश पत्रकार मार्क अरबन ने एक और बात की ओर ध्यान दिलाया कि भारत केवल एक उभरती हुई महान आर्थिक शक्ति ही नहीं, बल्कि स्वावलम्बी सैन्य शक्ति भी बनता जा रहा है। उसकी जल, नभ और थल सेना जिम्मेदारी के साथ अपना कर्तव्य भारत ही नहीं, दुनिया के लिए निभा रही है। अरबन बोले, भारत कैसे अदन की खाड़ी और लाल सागर में संकट के समय उभरकर आया। उधर अमीरात में मौजूद विशेषज्ञों ने अदन में भारतीय नौसेना की कार्रवाई को सराहा है। नौसेना ने बताया कि 26 जनवरी को व्यापारिक जहाज लुआंडा पर अदन की खाड़ी में हुए हमले के समय बचाव की कार्रवाई तुरंत की गई। नौसेना ने हूती आतंकियों के ड्रोन हमलों का सामना किया। यूरोप के इतिहासकार मार्टिन सॉरबेरी लिख रहे हैं कि महाशक्ति का उदय हो रहा है। भारतीय नौसेना द्वारा लाल सागर में समुद्री लुटेरों पर काबू पाया जा रहा है।

एक नया सत्य इस क्षेत्र में उभरकर आ रहा है जिसके प्रति निवेशक और उत्पादक दुनिया के कोने-कोने से उत्साहित हो रहे हैं। अब निवेश की सुरक्षित और लाभदायक जगह चीन नहीं, है, उसकी तो आर्थिकता इस समय लड़खड़ा रही है। भारत एक ऐसी शक्ति के रूप में उभरकर सामने आ रहा है जिसने विश्वव्यापी मंदी का रुख मोड़ दिया। मोदी जी ने भी भारत को एक सूत्र में बांधने वाली धार्मिक आस्था और भरोसेमंद न्यायप्रणाली के उभरने की बात अपने पिछले मन की बात कार्यक्रम में की है। निस्संदेह, भारत ने पिछले दशक में तेजी से तरक्की की है। इसके बावजूद भारत को विश्व मंच पर वह स्थान क्यों नहीं मिल रहा जो उसे मिलना चाहिए।

विश्व मंच में संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद के महत्व को कौन नकार सकता है। इस बीच दुनिया का चेहरा-मोहरा तेजी से बदल गया है। इस तेजी से बदलते माहौल में निश्चय ही भारत और तीसरी दुनिया के आजाद हुए नये देशों का महत्व तो बढ़ा ही है, अफ्रीकी देशों की प्रगति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत और इन देशों को पूरा महत्व क्यों नहीं मिलता? जबकि ये दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपने देशों में बसाते हैं। भारत ने बार-बार अपनी क्षमता को सिद्ध किया है। जी20 देशों के शिखर सम्मेलन जब एक साल में भारत में हुए तो निश्चय ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गरिमा प्राप्त हुई। इससे पहले कोरोना की महामारी का मुकाबला भारत ने सफलता के साथ किया। भारत निर्मित कोरोना के टीके दुनिया को मौतों के दुर्भाग्य से बचा सके। इसके अतिरिक्त भारत अब तेजी के साथ अपनी आयात आधारित अर्थव्यवस्था का मिजाज बदलकर उसे निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बना रहा है।

लेकिन सबसे बड़ी चुनौती की बात ऊर्जा संकट से निपटने की उसकी असफलता और पेट्रोल व डीजल के घरेलू उत्पादन में उपलब्धि न होकर 85 प्रतिशत इन ऊर्जा साधनों को अभी भी विदेशों से आयात करते जाना पूरे के पूरे संतुलन को बिगाड़ देता है। रुपये का मूल्य डॉलर और अन्य अंतर्राष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले में गिरने लगता है। भारत अब कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर न रहकर उद्योग और निर्माण अर्थव्यवस्था का रुख ले रहा है। अभी देश के पर्यटन क्षेत्र के विकास के जो कदम उठाए गए हैं, वो भी उसे अंतर्राष्ट्रीय नक्शे में गौरवपूर्ण स्थान दे रहे हैं। निश्चय ही भारत के शासन के स्थायित्व के कारण दुनिया का रुख उसके प्रति बदल रहा है। भारत की वैश्विक साख में वृद्धि हुई है। दुनिया भी जानती है कि लोकतांत्रिक राजनीति के स्थायित्व के कारण भारत तेजी से बड़ी आर्थिक शक्ति बनता जा रहा है। जिसके चलते कालांतर अंतर्राष्ट्रीय मंचों यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को गरिमापूर्ण स्थान देने के लिये वैश्विक शक्तियों को बाध्य होना पड़ेगा।

नाश्ते में खाएं ये ऑयल फ्री डिशेज

इडली

इडली का उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, इसलिए इस हल्के नाश्ते का आनंद लेने के लिए इसे खा सकते हैं। इडली चावल और उरद की दाल को फर्मेंट करके बनाया जाता है, जिस कारण से यह पाचन के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे आप सुबह के नाश्ते में नारियल या मूंगफली की चटनी के साथ खा सकते हैं। यह खाने में टेस्टी होता है और इससे आपका पेट भी भर जाएगा।

स्प्राउट्स चाट

स्प्राउट्स यानी अंकुरित बीज, काफी पौष्टिक होते हैं। इसके लिए आप चने या मूंग को एक या दो रात पहले पानी में भिगोकर रख दें और फिर किसी गीले सूती कपड़े में बांध कर रख दें। इससे वे अंकुरित हो जाएंगे और नरम भी। नाश्ते के लिए आप इन स्प्राउट्स की चाट बना सकते हैं। इनमें प्याज, चाट मसाला और नींबू का रस डालें और आपकी चाट तैयार है।

टोस्ट

सुबह के नाश्ते के लिए सबसे आसान विकल्प है टोस्ट। इसे बनाने में समय भी नहीं लगता और यह खाने में स्वादिष्ट भी होता है। इसके साथ आप पीनट बटर, केले के स्लाइस और मेपल सिरप या एवोकाडो मैश करके खा सकते हैं। इससे यह हेल्दी भी बन जाएगा। टोस्ट उन लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है जो मधुमेह से पीड़ित हैं। ब्रेड को टोस्ट करने से ब्रेड में वसा की मात्रा कम हो जाती है और ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम हो जाता है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति पर इन दोनों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

फ्रूट सलाद

सीजनल फ्रूट्स को अपनी डाइट में शामिल करना काफी फायदेमंद होता है। इनसे जरूरी मिनरल्स और विटामिन्स मिलते हैं। साथ ही, फल खाने से फाइबर मिलते हैं, जिससे गट हेल्थ और पाचन तंत्र अच्छा रहता है। जो फ्रूट जूस से नहीं मिलता। साथ ही फाइबर की वजह से कब्ज की समस्या दूर होती है। अगर पेट साफ हो, तो वैसे भी कई बीमारियां करीब नहीं फटकतीं। सलाद के सेवन से कब्ज, एसिडिटी और गैस जैसी कई समस्याएं दूर रहती हैं। इसलिए आप सुबह के नाश्ते में दो तीन प्रकार के फलों को शामिल कर सलाद बना सकते हैं।

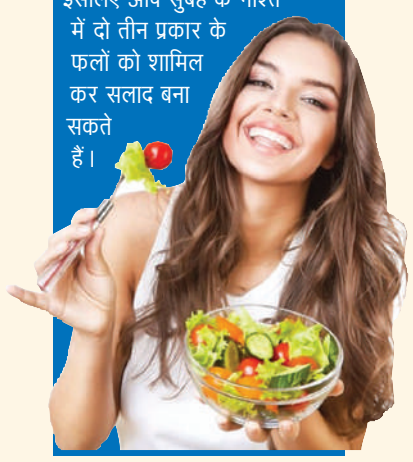

पोहा

पोहा एक बेहद मशहूर इंडियन डिश है, जो चिवड़े का इस्तेमाल कर के बनाया जाता है। इसमें मूंगफली, प्याज, कढ़ी पत्ता जैसी चीजें डाली जाती हैं, जो काफी पौष्टिक होती हैं। इसे आप आसानी से सुबह के समय बना सकते हैं और यह खाने में भी काफी स्वादिष्ट होता है। सुबह में नाश्ता शरीर को कार्बोहाइड्रेट्स देने के लिए पोहे का सेवन किया जा सकता है। अगर आप शरीर को जरूरत भर का कार्बोहाइड्रेट्स नहीं प्राप्त होगा तो शरीर में थकान बनी रहेगी। कार्बोहाइड्रेट्स से शरीर में एनर्जी आती है इसलिए सुबह एक प्लेट पोहा जरूर खाएं।

दिनभर एनर्जी से काम करने और अच्छे मूड में रहने के लिए सुबह ब्रेकफास्ट करना बेहद जरूरी होता है। यह सेहत के लिहाज से भी हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। ज्यादातर लोग सुबह के समय कुछ लाइट खाना चाहते हैं। ब्रेकफास्ट न करने की वजह से दिनभर चिड़चिड़ापन, थकान, एसिडिटी जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आपके दिन का पहला मील यानी ब्रेकफास्ट काफी महत्वपूर्ण होता है, लेकिन सुबह-सुबह कुछ भी हैवी खाने का मन नहीं करता, खासकर ज्यादा ऑयल में बनी हुई कोई डिश। इसलिए कुछ ऐसी डिशेज भी हैं जो आप आसानी से बिना ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं और तेल कम होने की वजह से ये आपकी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होंगी।

हंसना मना है

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

टीचर : इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू : बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर : पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू : इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पिता : पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा : हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता : कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा : फेसबुक।

पत्नी : सुनो मेरे मुहं में मच्छर चला गया, अब क्या करूं? पति : पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

कहानी | लालची बिल्ली और बंदर

एक जंगल में सभी जानवर मिलजुल कर रहा करते थे। सभी नियम का पालन करते और हर त्योहार साथ में मनाते थे। उन्हीं जानवरों में चीनी और मिनी नाम की दो बिल्लियां भी थीं। वे दोनों बहुत अच्छी सहेलियां थीं। बीमारी में एक दूसरे का ख्याल रखती थीं। सभी जानवर उनकी दोस्ती की तारीफ किया करते थे। एक बार मिनी को किसी काम से बाजार जाना पड़ा, लेकिन किसी कारण से चीनी उसके साथ नहीं जा सकी। चीनी का अकेले मन नहीं लग रहा था, तो उसने सोचा कि क्यों न वो भी बाजार घूम कर आए। रास्ते में चलते हुए उसे एक रोटी का टुकड़ा मिला। उसके मन में अकेले रोटी खाने का लालच आ गया और वो उसे लेकर घर आ गई। जैसे ही वह रोटी के टुकड़े को खाने वाली थी, तभी अचानक मिनी आ गई। मिनी ने उसके हाथ में रोटी देखी, तो उससे पूछने लगी कि चीनी हम तो सब कुछ बांटकर खाते हैं और तुम तो मेरे साथ ही खाना खाती थी। क्या आज तुम मुझे रोटी नहीं दोगी? चीनी ने मिनी को देखा तो डर गई और मन ही मन मिनी को कोसने लगी। चीनी ने कहा कि अरे नहीं बहन मैं तो रोटी को आधा-आधा कर रही थी, ताकि हम दोनों को बराबर रोटी मिल सके। मिनी सब समझ गई थी और उसके मन में भी लालच आ गया था, लेकिन कुछ बोली नहीं। जैसे ही रोटी के टुकड़े हुए, मिनी चीख पड़ी कि मेरे हिस्से में कम राटी आई है। रोटी चीनी को मिली थी इसलिए, वो उसे कम देना चाहती थी। फिर भी वो बोली कि रोटी तो बराबर ही दी है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। सभी जानवर उन दोनों को लड़ते हुए देख रहे थे। उसी समय वहां एक बंदर आया और उसने कहा कि मैं दोनों के बीच में बराबर रोटी बांट दूंगा। सभी जानवर बंदर की हां में हां मिलाने लगे। न चाहते हुए भी दोनों ने बंदर को रोटी दे दी। बंदर कहीं से तराजू लेकर आया और दोनों ओर रोटी के टुकड़े रख दिए। जिस तरफ वजन ज्यादा होता, वो उस तरफ की थोड़ी-सी रोटी यह बोलकर खा लेता कि इस रोटी को दूसरी तरफ रखी रोटी के वजन के बराबर कर रहा हूं। वो जानबूझकर ज्यादा रोटी का टुकड़ा खा लेता, जिससे दूसरी तरफ की रोटी वजन में ज्यादा हो जाती। ऐसा करने से दोनों ओर रोटी के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े बचे। बिल्लियों ने जब इतनी कम रोटी देखी तो बोलने लगीं कि हमारी रोटी के टुकड़े वापस दे दो। हम बची हुई रोटी को आपस में बांट लेंगे। तब बंदर बोला कि अरे वाह, तुम दोनों बहुत चालाक हो। मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं दोगी क्या। ऐसा बोलकर बंदर दोनों पलड़ों में बची हुई रोटी के टुकड़ों को खाकर चला गया और दोनों बिल्लियां एक दूसरे का मुंह ताकती रह गईं।

7 अंतर खोजें

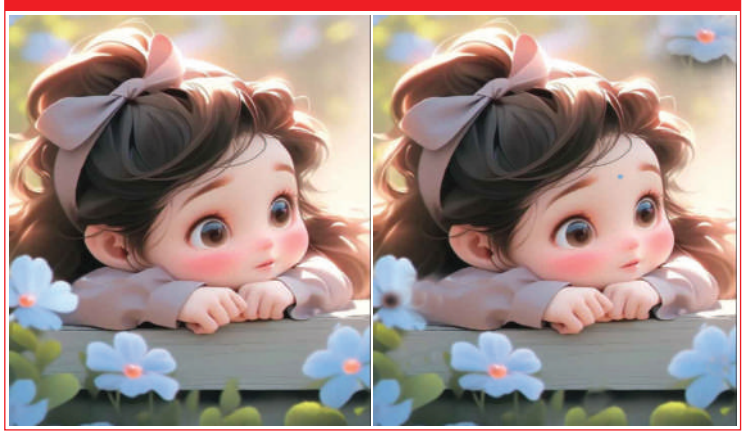

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन

वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह

स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या

किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक

आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे।

मकर

कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

मीन

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

अपना काम करो अगर वह सफलता के योग्य है तो जरूर मिलेगी: बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि उन्होंने कभी भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि उनकी फिल्में कैसी चल रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अपना काम करें। अगर वह सफलता के योग्य है, तो जरुर मिलेगी। बिग बी ने अपने ब्लॉग पर 1988 की फिल्म शहंशाह के बारे में लिखा, जिसकी हिस्टोरिक एडवांस बुकिंग थी। उन्होंने लिखा-शहंशाह! फिल्म की ऐतिहासिक एडवांस बुकिंग हुई थी जो हिंदी फिल्म इतिहास में नहीं दोहराई गई... फ़िल्म की रिलीज से दो सप्ताह पहले 1 फरवरी 1988 तक सभी सिनेमाघरों की टिकटें बिक गईं! .. सौजन्य- ईएफ सैकरुन और उसका ट्रेंड मार्क एमओडीडी सिने आइकन ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी कभी नहीं थी। उन्होंने कहा, हे भगवान, यह जानकारी पढ़कर खुशी हुई.. मुझे स्वीकार करना होगा कि मुझे इसके बारे में कभी नहीं पता था.. और ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी इस तरह की बातचीत पर ध्यान नहीं दिया था। फिर उन्होंने इस बारे में कुछ ज्ञान साझा किया कि काम पर ध्यान केंद्रित करना कैसे मायने रखता है और बाकी सब उसके बाद आता है। उन्होंने लिखा, अपना काम करो और बस इतना ही। बाकी अपना ख्याल खुद रख लेंगे। अगर यह योग्यता के लायक है, तो इसे मिलेगा.. प्यार और बहुत कुछ बाद में। वर्कफ्रंट की बात करें तो, बिग बी अगली बार प्रभास, कमल हासन और दीपिका पादुकोण के साथ कल्कि 2898 एडी में नजर आएंगे।

मर्डर मुबारक में ड्रीम गर्ल बनेंगी करिश्मा

करिश्मा कपूर जल्द ही मर्डर मुबारक के साथ अपना कमबैक करेंगी। सस्पेंस, कॉमेडी और रोमांस से भरपूर ये फिल्म 15 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज नेटफ्लिक्स ने एक वीडियो साझा कर मर्डर मुबारक की घोषणा की है। निर्देशक होमी अदजानिया ने इसे निर्देशित किया है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा।

मर्डर मुबारक अनुजा चौहान की किताब क्लब यू टू डेथ का स्क्रीन रूपांतरण है। मेकर्स आज फिल्म का एक वीडियो साझा किया है। यह वीडियो बेहद ही रोचक है। इसे देखने के बाद फिल्म का देखने का उत्साह और बढ़ गया है। करिश्मा कपूर के सथ इसमें इसमें सारा अली खान, विजय वर्मा, डिंपल कपाड़िया, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा और सुहैल नैय्यर जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे।

ये सभी कलाकार फिल्म में कुशलतापूर्वक अपने किरदारों के गुप्त उद्देश्यों को छिपाते हैं। वहीं, पंकज त्रिपाठी भी इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगे, जो एक गैर-पारंपरिक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगे। वह एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उनकी दुनिया में कदम रखते हैं। वह जानते हैं कि वहां जो दिखता है उससे कहीं अधिक है।

अदजानिया ने कहा, मर्डर मुबारक

उन अभिनेताओं का एक सिनेमाई मिश्रण है, जिन्हें विभिन्न शैलियों और पीढ़ियों से प्यार किया जाता है और मेरा विश्वास है कि उनमें से हर एक ने इन विलक्षण पात्रों को जीवन में लाने के लिए बहुत अच्छा काम किया है। इस फिल्म में वह जबरदस्त जादू है, जो इसे देखने के लिए बाध्य करता है। यह एक रंगीन हत्या का रहस्य है, जो आपको इसे दोबारा देखने पर मजबूर कर देगा। वहीं, मैडॉक फिल्म्स के निर्माता, दिनेश विजन ने कहा, यह छठा प्रोजेक्ट है जिसमें होमी और मैं काम कर रहे हैं और मैं एक अनोखी मनोरंजक कहानी ढूंढकर आगे बढ़ना चाहता था और फिर ऐसा हुआ। इसके अलावा, इस तरह के एक विविध समूह के साथ एक ऐसी स्क्रिप्ट को जीवंत करना, जो मेरे द्वारा पढ़ी गई सबसे विचित्र और अधिक मनोरंजक हत्या के रहस्यों में से एक है, मेरे लिए बहुत रोमांचक थी।

प्रेम कहानी के बाद युद्ध भूमि में दिखेंगे शाहिद कपूर!

शाहिद कपूर बॉलीवुड के सबसे चहेते एक्टर्स में से हैं। अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इन सब के बीच शाहिद अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। खबर है कि उन्हें एक नई फिल्म ऑफर की गई है। फिल्म में अभिनेता को छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाने का ऑफर दिया गया है।

शाहिद की अपनी अगली फिल्म के लिए 'ओएमजी 2' के डायरेक्टर अमित राय से बातचीत चल रही है। जिसमें दोनों के किसी हिस्टॉरिकल फिल्म पर साथ काम करने की चर्चा है। हालांकि, फिल्म की औपचारिक तौर पर घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कहा जा रहा है फिल्म का बजट काफी भारी भरकम होने वाला है। शाहिद की यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी के पराक्रम और शौर्य को दर्शाएगी।

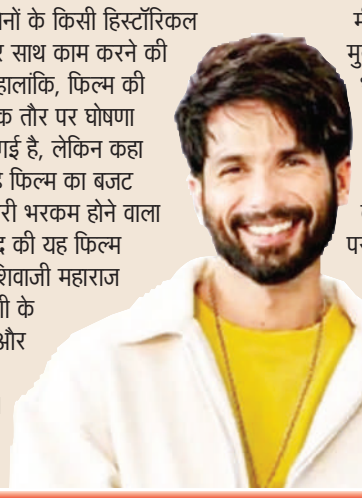

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छत्रपति शिवाजी भारतीय सिनेमा की अब तक की महंगी फिल्मों में से एक होगी। बता दें कि डायरेक्टर अमित राय को इस तरह के विषयों पर काम करना काफी पसंद है। यही वजह है कि उनकी स्टोरी और विजन से प्रोड्यूसर्स भी काफी प्रभावित हुए हैं और अब कास्ट को फाइनल करने की बात चल रही है। रिपोर्ट्स की मानें, तो कास्ट की बात छिड़ते ही सबसे पहले नाम शाहिद कपूर का आया है। वहीं, शाहिद ने भी इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच करने पर अपना भरपूर उत्साह दिखाया है और इसमें काम करने के लिए हां कह दिया है। प्रोड्यूसर्स अब इसके लिए फाइनेंसर्स और स्टूडियो की तलाश में जुट गए हैं। किसी टॉप स्टूडियो के फिल्म से जुड़ने के बाद ही उनका नाम और फिल्म को औपचारिक रूप से अनाउंस किया जाएगा।

गौरतलब है कि शाहिद कपूर की कृति सेनन के साथ 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' आगामी 9 फरवरी को रिलीज होगी और इसमें शाहिद के साथ अभिनेत्री कृति सेनन भी हैं।

अजब-गजब | इस प्लेन क्रैश में 72 दिन तक फंसे रहे बर्फीले पहाड़ पर

जिंदा रहने के लिए खानी पड़ी दोस्तों की डेडबॉडी

जिंदा रहने के लिए इंसान क्या कुछ नहीं कर सकता। लेकिन क्या दूसरे इंसान का मांस खा सकता है। आपको सुनने में अजीब लगेगा लेकिन एक बार एक प्लेन हादसे में बचे लोगों ने खुद को जिंदा रखने के लिए मरे हुए लोगों का मांस खाया था। यह घटना 1972 की है। दरअसल, 13 अक्टूबर 1972 को एंडीज के पहाड़ों के बीच उरुग्वे एयरफोर्स के प्लेन का एक्सीडेंट हो गया था। उस हादसे में जिंदा बचे लोगों को बर्फीले पहाड़ियों में 72 दिनों तक बिना भोजन के रहना पड़ा था। इतिहास में ये दुर्घटना 'मिरेकल ऑफ एंडीज' और 'एंडीज फ्लाइट डिसास्टर' के रूप में प्रसिद्ध है। इस हादसे में 16 लोग जिंदा बच गए थे। उन्होंने खुद को बचाने के लिए एक्सीडेंट में मारे गए लोगों की डेड बॉडी तक खाई।

हादसे में जिंदा बचे 70 साल के डॉक्टर रॉबर्ट केनेसा तब मेडिकल स्टूडेंट हुआ करते थे और शौकिया तौर पर रग्बी की टीम से खेलते थे। प्लेन में बैठी रग्बी टीम में केनेसा भी शामिल थे। रॉबर्ट केनेसा ने एक इंटरव्यू में इस भयानक हादसे की खौफनाक कहानी बताई। रॉबर्ट कैनेसा ने कहा कि डेड बॉडी को खाने की चॉइस आसान नहीं थी, लेकिन हमारे पास कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था। उन्होंने कहा, 'अगर मैं उस हादसे में मर गया होता तो मैं भी यही चाहता कि बचे

हुए लोग मेरी बॉडी को खाकर खुद को बचा लें।' एक इंटरव्यू में केनेसा ने बताया कि मैंने खुद को जिंदा रखने का रास्ता चुना और इसके लिए जो मैंने उस दौरान किया मुझे उस पर गर्व है। केनेसा ने इस पूरे हादसे का जिक्र अपनी किताब में भी किया है। उन्होंने कहा कि काफी देर तक हम दर्द बर्दाश्त करते रहे। मैं बर्फ में बाहर गया और मार्गदर्शन के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। केनेसा मेडिकल स्टूडेंट थे तो उन्होंने ही दूसरे लोगों को भी डेड बॉडी को खाकर जिंदा रहने की बात की थी। केनेसा ने आगे बताया कि इंसान का मांस खाने की बात बिल्कुल भयावह थी।

उरुग्वे एयरफोर्स का प्लेन 1972 में यानी 52 साल पहले रग्बी टीम के खिलाड़ियों व अधिकारियों के साथ उनके परिवार व मित्रों को लेकर एंडीज पर्वत के ऊपर से गुजर रहा था। प्लेन में कुल 45 लोग सवार थे। प्लेन के उड़ान भरने के कुछ देर बाद मौसम खराब होने लगा। इस वजह से पायलट को बर्फीले पहाड़ नजर नहीं आए और 14 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा प्लेन सीधे एंडीज पर्वत से टकरा गया। इस हादसे में ज्यादातर लोगों की मौत हो गई थी, सिर्फ 27 लोग जिंदा बचे थे। वहीं जिंदा बचे लोगों के भी बचने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही थी। ऐसे में रग्बी टीम के दो खिलाड़ियों नंदो पैराडो और रॉबर्ट कैनेसा ने हार नहीं मानी। जिंदा रहने के इसी जुनून की वजह इन्होंने न सिर्फ खुद को बचाया, बल्कि 14 अन्य लोगों को भी बचाने में सफलता हासिल की।

प्लेन हादसे में कुल 27 लोग बचे थे, लेकिन धीरे-धीरे 11 की मौत हो गई, बस 16 लोग ही बचे थे। ऐसे में नंदो पैराडो और रॉबर्ट कैनेसा मदद की तलाश में निकल पड़े। कमजोर होने के बावजूद इन्होंने गजब का साहस दिखाया। 12 दिनों तक ट्रैकिंग की और चिली के आबादी वाले क्षेत्र तक पहुंच गए, जहां दोनों ने रेस्क्यू टीम को अपने साथियों की लोकेशन बताई। इनके बताए लोकेशन से बाकी 14 लोगों को भी जिंदा लाया गया।

इस मंदिर में आधी रात को आपस में बात करती हैं मूर्तियां!

हमारे देश में लाखों की संख्या में मंदिर मौजूद हैं। इनमें से कुछ मंदिर ऐसे हैं, जो रहस्यमयी हैं और इनमें कई तरह के चमत्कार देखने को मिलते हैं। ऐसा ही एक रहस्यमयी मंदिर बिहार में भी है। इस अद्भुत मंदिर का नाम राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में स्थापित मूर्तियां आपस में बात करती हैं। यह मंदिर बिहार के बक्सर में स्थित है। इस मंदिर के पास से जो कोई भी गुजरता है उसे ऐसा सुनाई देता है जैसे कि मंदिर के अंदर कोई बुदबुदा रहा है। इस मंदिर को शक्ति पीठ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर की स्थापना करीब 400 साल पहले की गई थी। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण भवानी मिश्र नाम के व्यक्ति ने कराया था। इतना ही नहीं इस मंदिर में मिश्र परिवार ही सेवा करता आया है। बता दें कि इस मंदिर में कई सारे देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं। इन मूर्तियों के बारे में कहा जाता है कि यह मूर्तिया रात को आपस में बात करती हैं। रात को इन मूर्तियों की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में कोई भी मनोकामना मांगने पर पूरी हो जाती है। वहीं इस मंदिर पर तांत्रिकों की अटूट आस्था है। यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है।

वोट लेने के लिए पीएम बन जाते हैं ओबीसी : राहुल गांधी

अधिकार देने का समय आया तो बोलते हैं कोई जाति नहीं

झारखंड में मजदूर को साइकिल पर कोयला लादकर ले जाता देखकर राहुल गांधी खुद को रोक नहीं पाये उन्होंने कोयले से लदी साइकिल को खुद चलाया और मजदूरों का उत्साहवर्धन किया।

कहा- इंडिया गठबंधन सत्ता में आने के बाद आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर राष्ट्रव्यापी जाति आधारित जनगणना कराने और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने का वादा किया। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि जब जाति आधारित जनगणना की मांग उठी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलितों और आदिवासियों को अधिकार देने का समय आया, तो प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई जाति नहीं है, लेकिन जब वोट लेने का समय आता है तो वह कहते हैं कि वह ओबीसी हैं।

गांधी ने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस- राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सरकार को गिराने का प्रयास किया, क्योंकि मुख्यमंत्री एक आदिवासी थे। गांधी ने मणिपुर से महाराष्ट्र तक की अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान यहां शहीद मैदान में आयोजित एक रैली में कहा, गठबंधन के सभी विधायकों, (चंपई) सोरेन जी को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि उन्होंने भाजपा-आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की साजिश को रोक दिया और गरीबों की सरकार की रक्षा की। गांधी ने दावा किया कि दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) को बंधुआ मजदूर बनाया गया और बड़ी कंपनियों, अस्पतालों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और अदालतों में उनकी भागीदारी नहीं है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, यह भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल है। हमारा पहला कदम देश में जाति आधारित जनगणना कराना होगा। गांधी ने कहा कि मौजूदा प्रावधानों के तहत 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता। उन्होंने वादा किया कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सरकार आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटा देगी।

कर्नाटक के साथ अन्याय कर रहा केंद्र : सिद्धारमैया

कर्नाटक सरकार दिल्ली में करेगी प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। केंद्र सरकार पर कर्नाटक के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि पिछले चार वर्ष में राज्य को 45,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सात फरवरी को दिल्ली में होने वाला राज्य की कांग्रेस सरकार का प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के अन्याय के खिलाफ है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सिद्धारमैया समेत राज्य के सभी कांग्रेस विधायक और सांसद कर्नाटक के साथ कर अंतरण और सहायता अनुदान के संबंध में केंद्र के कथित अन्याय के खिलाफ सात फरवरी को नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेंगे। कर अंतरण केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच राजस्व वितरण को संदर्भित करता है।

सिद्धारमैया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, सात फरवरी को सभी मंत्री, सांसद और विधानमंडल के दोनों सदनों के सभी सदस्य 15वें वित्त आयोग से कर्नाटक के साथ हुए अन्याय और केंद्र से अनुदान समेत राज्य से जुड़े कई अन्य मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन राष्ट्रीय राजधानी में जंतर मंतर पर किया जाएगा।

सिद्धारमैया ने राज्य के भाजपा सांसदों से भी इसमें भाग लेने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा, संघर्ष भाजपा और कांग्रेस के बीच या भाजपा के खिलाफ नहीं है। यह कर्नाटक से हो रहे अन्याय के खिलाफ है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कन्नड़ लोगों द्वारा दिया गया कर राज्य के मुश्किल वक्त में काम नहीं आया और यह पैसा उत्तरी राज्यों के पास जा रहा है।

अवैध कब्जा हटाने को लेकर भटक रही निरीह महिला

सीएम कार्यालय में कर चुकी है शिकायत

रसूखदार जमीन को बेंचने का बना रहे दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकारी जमीनों के अतिक्रमण को सरकार हटवा रही पर उसी के आस-पास के गरीब महिला की जमीन पर रसूखदारों ने कब्जा कर लिया है वह बेचारी बड़े-बड़े अधिकारियों से लेकर सीएम कार्यालय तक चक्कर लगा चुकी है पर अब तक सुनवाई नहीं हुई।

ज्ञात हो कि माया देवी निवासनी ग्राम धौरमऊ पोस्ट तिंदौला जिला बाराबंकी की है जिसकी जमीन पर अमित यादव और बीएल यादव द्वारा अवैध कब्जा कर लिया। और लगातार जमीन खुद को बेचने का दबाव बना रहा है। दबंगों की प्रताड़ना से आजिज होकर मायादेवी सीएम आवास और एडीजी पियूष मोर्डिया के पास पहुंची। जिसके बाद जीरो टॉलरेंस की नीति के मुताबिक लेखपाल व पुलिस मौके पर पहुंची। जब अधिकारियों ने मौके जांच की तो पाया गया अमित यादव की प्लॉटिंग पर तालाब और नाले की जमीन पर कब्जा किया गया है। उस कब्जे का तुरंत हटा दिया गया जबकि महिला की सुनवाई तक नहीं हुई।

जो भारत की तरफ आंख उठाने की जुर्रत करेगा उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे : रक्षामंत्री

अधीर के आरोप पर संसद में बोले राजनाथ सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

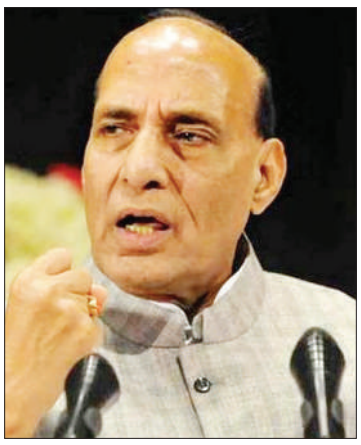

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर बन गया है तथा अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणी के बाद सदन में यह बयान दिया। चर्चा में भाग लेते हुए चौधरी ने कहा कि अभिभाषण में देश की सुरक्षा का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पूर्व की यथास्थिति की बहाली का क्या हुआ?

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक हाल बुरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में चीन से संबंधित नीति लगातार विफल रही है। इस पर हस्तक्षेप करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संदर्भ में चौधरी ने जो भी कुछ कहा है कि वह उससे असहमति व्यक्त करते हैं। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत अब कमजोर भारत नहीं है।

भारत अब ताकतवर भारत बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। संसद के पटल पर देश को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। अगर कांग्रेस की सरकार भी होती तो हमारी पार्टी देश के मान-सम्मान के साथ खड़ी रही है और खड़ी रहती।''

उन्होंने कहा कि वह चौधरी की इस बात की निंदा करते हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, ''चीन ने जितनी भूमि पर कब्जा किया है, वो कांग्रेस के शासन के समय किया है।

मोदी जी के शासनकाल में एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं हुआ है।'' उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान, चीन और कांग्रेस की एक जैसी हो गई है।

अश्विन-बुमराह ने निकाली अंग्रेजों की आह

इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 106 रनों से रौंदा, भारत को मिला डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापट्नम। यशस्वी व गिल की उम्दा बल्लेबाजी व अश्विन व बुमराह की सधी गेंदबाजी की मदद से भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में हराकर सीरीज बराबरी पर ला दी। टीम इंडिया भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 106 रनों से रौंदकर ना सिर्फ सीरीज में वापसी की है। बल्कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स में भी लंबी छलांग लगी है। 5 मैच की इस टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हारने के बाद भारत डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में 5वें पायदान पर खिसक गया था।

टीम इंडिया के नाम विशाखापट्टनम टेस्ट से पहले 43.33 प्रतिशत अंक ही रह गए थे, लेकिन दूसरा टेस्ट जीतने के बाद भारत ने तीन पायदान की छलांग लगाई है और अब टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारत के खाते में अब 52.78 प्रतिशत अंक है। 5 मैच की ये टेस्ट सीरीज अब 1-1 की बराबरी पर है। सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाना है। वहीं बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम को पायदान को लेकर तो कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन उनके प्रतिशत अंक जरूर कम हुए हैं। इंग्लैंड इस हार के बाद भी 8वें पायदान पर है, मगर उनके खाते में अब सिर्फ 25 प्रतिशत अंक ही रह गए हैं। भारत का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे सीजन में परफॉर्मेंस मिला जुला रहा है। भारतीय टीम ने इस चक्र में 6 मैच खेले हैं। जिसमें 3 में से उन्हें 2 में हार मिली है। वहीं टीम इंडिया का एक मुकाबला इस दौरान ड्रॉ रहा है।

डब्ल्यूटीसी में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने बुमराह

विशाखापत्तनम में खेले गए दूसरे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह का कहर देखने को मिला। पहली पारी में तो उनकी गेंद को इंग्लिश बल्लेबाज समझ ही नहीं पाए, जबकि दूसरी पारी में वह और रविचंद्रन अश्विन टीम इंडिया की जीत के असली हीरो रहे। बुमराह ने विशाखापत्तनम टेस्ट की पहली पारी में छह और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। इसी के साथ इस स्टार भारतीय तेज गेंदबाज ने एक खास मुकाम भी हासिल किया।वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, जो कि 2019 में शुरू हुआ था, उसमें 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज और ओवरऑल दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ अश्विन हैं, जिनके नाम इस प्रतियोगिता में 157 विकेट हैं। पहली पारी में छठा विकेट लेते ही बुमराह ने खास मुकाम हासिल किया। फिलहाल उनके नाम विश्वटेस्ट चैंपियनशिप में 24 मैचों में कुल 106 विकेट हैं। वह इस प्रतियोगिता में 100+ विकेट लेने वाले कुल मिलाकर नौवें गेंदबाज हैं। वहीं, तेज गेंदबाजों में वह सातवें हैं। उनसे पहले पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, स्टुअर्ट ब्रॉड, कगिसो रबाडा, टिम साउदी और जेम्स एंडरसन यह मुकाम हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा दो स्पिनर नाथन लियोन और अश्विन हैं। लियोन डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में शीर्ष पर हैं। उनके नाम 174 विकेट हैं।

हर कोई नीतीश, एकनाथ या अजित नहीं, कुछ हेमंत होते हैं : उद्धव ठाकरे

सामना में की झारखंड के पूर्व सीएम की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बयानों में नरमी के बाद से उद्धव ठाकरे को लेकर महाराष्ट्र में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही है। इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) ने कहा है कि आज के राजनीतिक माहौल में हर कोई नीतीश कुमार, अजित पवार या एकनाथ शिंदे नहीं होते हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में हेमंत सोरेन रोये नहीं, झुके नहीं! हेडलाइन के साथ संपादकीय लिखा गया है।

बता दें कि नीतीश कुमार ने पिछले दिनों इंडिया गठबंधन को झटका देते हुए एनडीए का हाथ थाम लिया था। इंडिया गठबंधन में शिवसेना (यूबीटी) भी शामिल है। शिवसेना ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए लिखा, जहां खुद का राज्य नहीं, वहां आतंक के बल पर उखाड़ फेंक देना। ये किस तरह का लोकतंत्र है? ये कौन सा कानून है? ये कैसी आजादी है? अजीत पवार, एकनाथ शिंदे पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, वे मोदी के प्रिय हो गए, लेकिन सोरेन, केजरीवाल उनकी नजर में अपराधी बन गए। शिवसेना ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर कहा, एक राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री को इस तरह झूठे मामले में गिरफ्तार कर उनकी सरकार को अस्थिर करने का यह प्रयास लोकतंत्र के लिए अस्वीकार्य है, सोरेन गिरफ्त में हैं और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कतार में हैं फिर भी मोदी-शाह उनकी गिरफ्तारी की तैयारी कर रहे हैं। सामना में लिखा, कि महाराष्ट्र, की महाविकास आघाड़ी सरकार को वह पहले ही 'ईडी' की धमकी से गिरा चुके हैं, जबकि बिहार के नीतीश कुमार को उनकी मानसिक विकलांगता का गैर फायदा उठाकर 'पलटी' मारने के लिए मजबूर किया गया। नीतीश कुमार के करीबियों पर भी 'ईडी' ने छापेमारी की। बिहार में नीतीश कुमार झुक गए, लेकिन लालू यादव और उनका परिवार मोदी-शाह के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं।

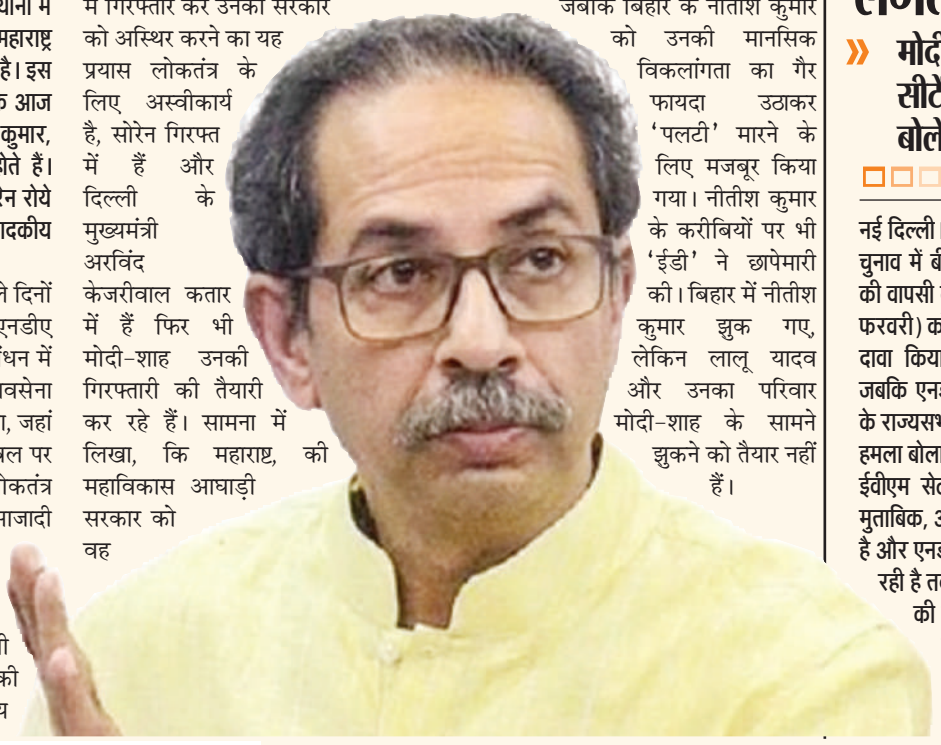

लगता है ईवीएम सेट हो गया : मनोज झा

» मोदी के लोस की 400 सीटें जीतने वाले दावे पर बोले राजद सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में बीजपी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की वापसी की भविष्यवाणी की है। सोमवार (5 फरवरी) को संसद में संबोधन करते हुए उन्होंने दावा किया कि बीजेपी 370 सीट जीतेगी, जबकि एनडीए को 400 सीटें मिलेंगी। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इस पर तीखा हमला बोला और कहा कि इसका मतलब है कि ईवीएम सेट कर ली गई है। मनोज झा के मुताबिक, अगर 370 का आंकड़ा कहा जा रहा है और एनडीए को 400 सीट की बात कही जा रही है तब इसका मतलब रिगिंग (वोट लूटने की व्यवस्था) का काम पूरा हो गया है। यानी ईवीएम सेट हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए मनोज झा ने कहा, आप देश के प्रधानमंत्री हैं, आप कहिए न कि भारी बहुमत से आएंगे, आप जब 370 कहते हैं तो शक होता है। पीएम मोदी पर आगे वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए मनोज झा बोले- अगर आप वादे को पूरा न करके भी 370 का सपना देख रहे हैं तो मैं समझता हूं कि हमारा लोकतंत्र स्वस्थ नहीं है। 2014 में आप किस वादे पर आए थे, दो करोड़ रोजगार प्रति वर्ष, आज कितना हो गया, 20 करोड़. 20 करोड़ में 20 लाख दिया है क्या? नहीं। सरकारी कर्मचारियों का पेंशन का मसला भी वही है। एक तरफ आप कहते हैं कि इतने करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर ले आए तो इतने करोड़ लोगों को अनाज क्यों देना पड़ रहा है? यह पीएम नरेंद्र मोदी के बयानों में विरोधाभास है।

कुमार विश्वास को राज्यसभा भेजने की तैयारी में बीजेपी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की सात राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा ने 35 नाम की एक सूची बनाई है। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में तेज-तर्रार प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी को दोबारा भेजने के साथ-साथ कुमार विश्वास के नाम पर भी चर्चा की गई है।

हाल के दिनों में देखें तो कुमार विश्वास पूरी तरीके से भाजपा के रंग में रंगे हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे में अगर पार्टी की ओर से उन्हें राज्यसभा भेजा जाता है तो इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होगा। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा की कोर कमेटी की बैठक हुई थी। इसी बैठक में इन 35 प्रत्याशियों के नाम को लेकर चर्चा की गई है। कुमार विश्वास को लेकर इस तरीके की चर्चा की जा रही है। हालांकि अभी भी पुष्टि का इंतजार है।

मप्र में बड़ा हादसा, 6 की मौत, 40 घायल

» हरदा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 40 से ज्यादा घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के हरदा में एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक बड़ा धमाका हुआ, जिसमें 6 लोगों की मौत की खबर है जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। इस ब्लास्ट से पूरा शहर हिल गया है। धमाके के बाद भीषण आग ने पटाखा फैक्ट्री को घेर लिया है। जानकारी के अनुसार, आसपास के करीब 50 घर आग की चपेट में आ गए हैं।

वहीं, जान बचाने के लिए लोग इधर उधर भागते नजर आ रहे हैं, फिलहाल, 20 से ज्यादा घायलों को हरदा के जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। आसपास के जिलों की फायर ब्रिगेड गाड़ियां भी हरदा के लिए रवाना हो गई हैं।

जानकारी के अनुसार मगरधा रोड स्थित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में सुबह विस्फोट होने के बाद भीषण आग लग गई। फैक्ट्री से उठतीं आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा रहा है। सूचना मिलने के बाद मौके पर प्रशासनिक अमला सहित फायर बिग्रेड की गाड़ियां पहुंच गई हैं।

सीएम मोहन यादव ने अस्पतालों में तैयारी करने को कहा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल घटना का संज्ञान लेते हुए मंत्री उदय प्रताप सिंह, एसीएस अजीत केसरी, डीजी होम गार्ड अरविंद कुमार हेलीकॉप्टर से हरदा जाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, भोपाल और इंदौर में मेडिकल कॉलेज, एम्स और भोपाल में बर्न यूनिट को आवश्यक तैयारी करने के लिए भी निर्देशित किया गया है। इसके अलावा, इंदौर और भोपाल से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भेजा जा रहा है और राहत कार्यों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

कई दमकल गाड़ियां पहुंची

हरदा पटाखा फैक्ट्री अग्निकांड को लेकर नर्मदापुरम से फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस हरदा भेजी जा रही हैं। नर्मदापुरम से भी स्टाफ हरदा के लिए रवाना हो गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नर्मदापुरम से 6 फायर ब्रिगेड और 4 एम्बुलेंस डॉक्टर और स्टाफ के साथ हरदा के लिए निकल गई हैं।

धुंध और बादलों ने लोगों को ठिठुराया

» आज दिन में खुली है धूप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में मंगलवार के दिन की शुरुआत धुंध और बादलों के साथ हुई। कुछ जिलों में हल्का कोहरा भी देखा गया। बारिश होने से तापमान नीचे आया। सुबह गलन और ठिठुरन का भी एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आज से मौसम बदल सकता है। दिन में छिटपुट बारिश हो सकती है लेकिन ज्यादातर जिलों में मौसम खुल जाएगा। इसके पहले प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंटों के दौरान लखनऊ समेत प्रदेश में ज्यादातर स्थानों पर बूंदाबादी व बारिश हुई।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक मंगलवार से प्रदेश में रुक रुक कर होने वाली बारिश का दौर थमने के आसार हैं। पिछले पांच दिनों में सबसे ज्यादा बारिश पश्चिम यूपी में सहारनपुर में (31.3 मिमी) दर्ज की गई, वहीं सुल्तानपुर में सबसे अधिक (31.3 मिमी) बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में मौसम शुष्क रहने आसार है। वहीं बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदासनगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ, मऊ, बलिया, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर व आसपास के इलाकों में गरज-चमक के साथ बादल छाये रह सकते हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाली ठंडी उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलते आगामी 2-3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

हिमाचल के पास भूस्खलन की घटना में दो मजदूरों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के बाहरी इलाके में मंगलवार सुबह भूस्खलन की घटना में दो मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जुंगा रोड पर अश्वनी खुड के पास भूस्खलन हुआ, जिसमें मूल रूप से बिहार निवासी राकेश (31) और राजेश (40) की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त कुछ मजदूर एक 'स्टोन क्रशर' (पत्थर काटने की मशीन) के निकट बनी अस्थायी झोपड़ियों में सो रहे थे। घटना में पांच मजदूर तो बाल-बाल बच गए लेकिन दो लोग मलबे में फंस गए। शिमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव कुमार गांधी ने बताया कि शवों को मलबे से निकाल लिया गया है और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।